सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़

(पंजीयन क्रमांक २४६६७, दिनांक २७.११.१६६०,)

आयुर्वेदिक महाविद्यालय के पीछे, सरस्वती विहार, रायपुर- ४६२ ०१० (छ.ग.)

F.No. CIT/RPR/Tech/us-80G/2013-14, Dt. 04/12/13

website: www.vidyabharticg.org, e-mail : vidyabharticg@gmail.com

दूरभाष क्र.
०७७१-२२६२७७०
०७७१-२२६२३६३

परिपत्र क्र. 33/2022-23 **दिनांक- 02.11.2022**

प्रति,

श्रीमान व्यवस्थापक/प्राचार्य/प्रधानाचार्य
समस्त सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा.विद्यालय
छ.ग.प्रांत ।

विषय: 15 नवंबर 2022 को ''जनजातीय गौरव दिवस'' मनाने संबंधी ।

महोदय,

आदिवासियों के महानायक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखण्ड के आदिवासी दम्पत्ति सुगना और कर्मी के घर पर हुआ था । भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने अपने क्रांतिकारी चिंतन से 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया ।

बिरसा मुंडा ने साहस स्याही से पुरूषार्थ के पृष्ठों पर शौर्य की शब्दावली रची । उन्होंने हिन्दू धर्म और इसाई धर्म का बारिकी से अध्ययन किया और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि आदिवासी समाज मिशनरियों से तो भ्रमित है ही हिन्दू धर्म को भी ठीक से न तो समझ पा रहा है न ग्रहण कर पा रहा है । आचरण के धरातल पर आदिवासी समाज अंधविश्वासों से जकड़ा हुआ है तथा आस्था के मामले में भटका हुआ है । सामाजिक कुरीतियों ने समाज को ज्ञान के प्रकाश से वंचित कर दिया है । उन्होंने जनजातियों के सामाजिक उत्थान हेतु अनेकों कार्य किये- जनजातियों में समाज सुधार करना एवं इन्हें ब्रिटिश सत्ता से दूर रखना प्रमुख कार्य था । अनेक देवताओं की पूजा छोड़कर अपने अनुयायियों से एक ईश्वर की पूजा करने का आव्हान किया । हमारा देश, हमारा राज का नारा दिया ।

ऐसे महानायक भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस पर प्रत्येक विद्यालय **''जनजातीय गौरव दिवस''** के रूप में मनाये, ऐसा आग्रह है ।

कार्यक्रम में रंगोली, चित्रकला, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता आदि आयोजित कर इसकी जानकारी संस्थान कार्यालय को प्रेषित करें ।

(विवेक सक्सेना)
सचिव

प्रतिलिपि-

1. श्रीमान् प्रांतीय पदाधिकारीगण/संगठन मंत्री/सह संगठन मंत्री, सरस्वती शिक्षा संस्थान छ.ग.।
2. श्रीमान् जिला प्रतिनिधि एवं पूर्णकालिक प्रवासी कार्यकर्ता, सरस्वती शिक्षा संस्थान छ.ग.।

(विवेक सक्सेना)
सचिव

circular202250